1. भाषा और व्याकरण

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. 'भाषा' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की धातु 'भाष्' से हुई है, जिसका अर्थ है 'स्पष्ट वाणी'।
2. मनुष्य अपने भावों एवं विचारों का आदान-प्रदान बोलकर या लिखकर करता है। अपने विचारों और भावों को प्रकट करने की यह प्रक्रिया भाषा कहलाती है।
3. मौखिक भाषा में हम अपने भावों और विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं तथा लिखित भाषा में हम अपने भावों और विचारों को लिखकर व्यक्त करते हैं।
4. 14 सितंबर, 1949 को हिंदी राजभाषा बनी।
5. किसी छोटे क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा बोली कहलाती है। बोली का क्षेत्र सीमित होता है। जब किसी बोली का प्रयोग साहित्य रचना के लिए होने लगे तो वह उपभाषा कहलाती है। बोली की अपेक्षा उपभाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है।
6. भाषा के शुद्ध स्वरूप और शुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।
7. भाषा की शुद्धता और एकरूपता को बनाए रखने के लिए व्याकरण का ज्ञान आवश्यक है। व्याकरण के कारण ही हम वर्णों, शब्दों एवं वाक्यों के बारे में विस्तार से जान पाते हैं। व्याकरण भाषा को शुद्ध बोलना, लिखना, पढ़ना तथा समझना सिखाता है।

(ख) मातृभाषा, राजभाषा तथा मानक भाषा पर छोटी-सी टिप्पणी लिखिए।

मातृभाषा– बच्चा अपने माता-पिता के साथ रहकर जिस भाषा को सीखता है, वही उसकी **मातृभाषा** होती है।

राजभाषा–देश के किसी राज्य की सरकार प्रशासनिक कार्यों को करने के लिए जिस भाषा का प्रयोग करती है, वह **राजभाषा** कहलाती है। राजभाषा का शाब्दिक अर्थ है– राजकाज की भाषा।

हमारे संविधान में 14 सितंबर, 1949 को हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया। इसे वैज्ञानिक भाषा भी माना जाता है।

मानक भाषा– मानक भाषा किसी भाषा के शुद्ध रूप को कहा जाता है। भाषा पर क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों का प्रभाव न पड़े और उसमें एकरूपता बनी रहे, इसलिए भाषा के मानक रूप की आवश्यकता होती है।

(ग) दी गई भाषाओं की उचित लिपि चुनिए।

1. पंजाबी (क) गुरुमुखी ✓
2. अंग्रेज़ी (घ) रोमन ✓
3. उर्दू (ख) फ़ारसी ✓
4. हिंदी (क) देवनागरी ✓

(घ) दिए गए कथनों पर सही या गलत का चिह्न लगाइए।

1. भाषा के मुख्य तीन रूप होते हैं। ✗
2. भाषा शब्द संस्कृत की धातु 'भाष्' से बना है। ✓
3. व्याकरण के मुख्य तीन भाग हैं। ✓
4. भाषा का अर्ध-विकसित रूप लिखित भाषा है। ✗
5. बोली का क्षेत्र सीमित होता है। ✓

कुछ करने की बारी

(क) सौ रुपए के नोट पर कौन-कौन सी भाषाएँ लिखी होती हैं? पहचानकर उनके नाम लिखिए।

1. बांग्ला 2. गुजराती 3. कन्नड 4. कश्मीरी 5. असमिया 6. कोंकणी
7. मलयालम 8. मराठी 9. नेपाली 10. ओडिया 11. पंजाबी 12. संस्कृत
13. तमिल 14. तेलुगु 15. उर्दू 16. हिंदी 17. अंग्रेज़ी

(ख) दिए गए राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं के आधार पर शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

1. असम
2. केरल
3. महाराष्ट्र
4. मणिपुर
5. गुजरात

					1↓		
					अ		
					स		
			3↓		मि		4↓
		2→	म	ल	या	ल	म
5→	गु	ज	रा	ती			णि
			ठी				पु
							री

2. वर्ण विचार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वर्ण वे ध्वनि चिह्न हैं जिनके खंड नहीं किए जा सकते, अर्थात् जिन्हें विभाजित नहीं किया जा सकता। वर्ण या अक्षर भाषा की लघुतम इकाई हैं।
2. जिन वर्णों के उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं ली जाती, वे स्वर कहलाते हैं। जैसे- अ, आ, इ आदि।

   जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। जैसे- क, ख, ग आदि।
3. दो समान व्यंजनों के मेल से द्वित्व व्यंजन बनते हैं; जैसे– मक्का, कच्चा आदि। स्वर रहित व्यंजन का स्वर सहित व्यंजन के मेल से संयुक्ताक्षर बनते हैं; जैसे– प्याज, पत्थर आदि।
4. शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।

   जैसे- म् + अ + ह् + आ + त् + म् + आ = महात्मा।

(ख) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।

1. वर्ण किसे कहते हैं? (ग) जिसके खंड नहीं किए जा सकते। ✓
2. वर्णमाला किसे कहते हैं? (ग) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को ✓
3. ह्रस्व स्वर किसे कहते हैं? (ख) जिनके उच्चारण में कम समय लगता है। ✓
4. जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से होता है– (ग) व्यंजन ✓
5. व्यंजन के कितने भेद हैं? (ग) तीन ✓
6. जो ध्वनियाँ न तो स्वर हों और न व्यंजन – (ग) अयोगवाह ✓

(ग) दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

1.	विकसित	व् + इ + क् + अ + स् + इ + त् + अ
2.	निरर्थक	न् + इ + र् + अ + र् + थ् + अ + क् + अ
3.	स्टेशन	स् + ट् + ए + श् + अ + न् + अ
4.	उच्चारण	उ + च् + च् + आ + र् + अ + ण् + अ
5.	व्यंजन	व् + य् + अ + ञ् + ज् + अ + न् + अ
6.	स्वागत	स् + व् + आ + ग् + अ + त् + अ
7.	पश्चिम	प् + अ + श् + च् + इ + म् + अ
8.	दुश्मन	द् + उ + श् + म् + अ + न् + अ
9.	क्षत्रिय	क् + ष् + अ + त् + र् + इ + य् + अ
10.	ऐश्वर्य	ऐ + श् + व् + अ + र् + य् + अ

(घ) वर्णों के योग से शब्द बनाइए।

1. परिश्रम
2. ईमानदार
3. सत्यवादी
4. मधुर
5. कविता
6. महाराज

(ङ) दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर 'र' के सही रूप का प्रयोग करके शब्दों को सही करके दोबारा लिखिए।

1. कम्र	कर्म	5. आर्शीवाद	आशीर्वाद
2. कृोध	क्रोध	6. आश्‌रय	आश्रय
3. नियार्त	निर्यात	7. वाषिर्क	वार्षिक
4. अर्नथ	अनर्थ	8. सव्रज्ञ	सर्वज्ञ

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए शब्दों को वर्णमाला के अनुसार क्रम देकर लिखिए।

अनुराधा	आधार	उच्चारण	उदय	कक्षा	क्षमा	खरगोश	गमला
चरखा	झरना	टमाटर	धरती	नाम	पराग	प्रखर	भाषा
मानक	रुपया	लड़का	वर्ण	व्याकरण	सरगम	सरस्वती	सृजन

(ख) निम्न संकेतों के आधार पर 'अं' से प्रारंभ होने वाले शब्द लिखिए।

1. इसका संबंध गिनती से है।
2. यह एक फल का नाम है।
3. इसके छाने पर कुछ नहीं दिखता।
4. यह हमारी रक्षा करता है।

अं	क			
अं	गू	र		
अं	ध	का	र	
अं	ग	र	क्ष	क

3. वर्तनी विचार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. भाषा की शुद्ध वर्तनी का आधार है, 'शुद्ध उच्चारण' और 'व्याकरण' का ज्ञान। हम जैसा बोलते हैं, वैसा ही लिखते हैं। इसलिए शुद्ध उच्चारण और व्याकरण के ज्ञान से ही वर्तनी शुद्ध होती है।
2. अशुद्ध वर्तनी का कारण अशुद्ध उच्चारण के साथ-साथ व्याकरण के ज्ञान का अभाव तथा क्षेत्रीय भाषा का प्रभाव भी है।

(ख) दिए गए शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके शब्दों को दोबारा लिखिए।

1.	ब्रामण	ब्राह्मण	6.	इकठ्ठा	इकट्ठा
2.	पूस्तक	पुस्तक	7.	ईमारत	इमारत
3.	कुर्सि	कुर्सी	8.	ओरत	औरत
4.	पहूँच	पहुँच	9.	खैलना	खेलना
5.	रिशि	ऋषि	10.	यथेष्ठ	यथेष्ट

(ग) शुद्ध वर्तनी पर गोला लगाइए।

1.	समाजिक	(सामाजिक)	समाजीक	सामाजीक
2.	वयक्त	व्यकत	(व्यक्त)	वयत्क
3.	(उपर्युक्त)	उपयुर्क्त	उपर्यूक्त	उर्प्यूक्त
4.	(अत्यधिक)	अत्याधिक	अत्यधीक	अतयधिक
5.	दुघर्टना	दुघटर्ना	दूर्घटना	(दुर्घटना)
6.	संयूक्त	सम्युक्त	सम्यूक्त	(संयुक्त)
7.	(आशीर्वाद)	आशिर्वाद	आर्शिवाद	आर्शीवाद
8.	धार्मीक	(धार्मिक)	धार्मक	धामिर्क
9.	गूणवती	(गुणवती)	गुणवति	गूणवती
10.	(निर्जन)	नीर्जन	निजर्न	नीजर्न

कुछ करने की बारी

वर्तनी की अशुद्धियों को सही करके कहानी दोबारा लिखिए।

एक राजा था। एक बार वह लड़ाई में हार गया। दुश्मन से जान बचाने के लिए वह पहाड़ की गुफा में जाकर छिप गया।

राजा ने गुफा में एक चींटी देखी। वह गुफा की दीवार पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी। चींटी दीवार पर चढ़ती और नीचे गिर पड़ती। इस तरह वह कई बार ऊपर चढ़ी और नीचे गिरी। आखिर वह दीवार पर चढ़ने में सफल हो गई। चींटी से राजा को सीख मिली। उसने फिर से सेना तैयार की और दुश्मन पर चढ़ाई कर दी। इस बार लड़ाई में उसकी जीत हुई।

4. शब्द विचार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वर्णों का वह समूह शब्द कहलाता है, जिसका निश्चित अर्थ हो तथा जिसका प्रयोग स्वतंत्र रूप से होता है। जैसे– लड़का, पुस्तक, मौसम, औरत आदि। जब यह स्वतंत्र शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो पद कहलाता है। जैसे– लड़का पुस्तक पढ़ रहा है। इस वाक्य में लड़का, पुस्तक, पढ़ सभी पद हैं।
2. शब्दों का वर्गीकरण चार आधार पर किया जाता है– 1. रचना के आधार पर 2. उत्पत्ति के आधार पर 3. अर्थ के आधार पर 4. प्रयोग के आधार पर
3. दो शब्दों के योग से बने शब्द यौगिक शब्द होते हैं। जैसे– रसोई + घर = रसोईघर तथा दो शब्दों के योग से बने वे शब्द जो किसी विशेष अर्थ के लिए रूढ़ हों, योगरूढ़ कहलाते हैं। जैसे– हिम + आलय = हिमालय। हिमालय शब्द विशेष पर्वत के रूप में रूढ़ हो गया है।

   यहाँ पर 'रसोई' और 'घर', 'विद्या' और 'आलय' का अपना-अपना अर्थ लिए हैं।
4. तत्सम शब्द बिना किसी परिवर्तन के संस्कृत भाषा से हिंदी में अपने मूल रूप में प्रयुक्त होते हैं, जैसे– हस्त, हस्ती, तृण, घृत, वानर आदि। जबकि संस्कृत के वे शब्द जो कुछ परिवर्तन के साथ हिंदी में प्रयुक्त होते हैं, तद्भव कहलाते हैं। जैसे– हाथ, हाथी, घास, घी, बंदर।
5. विकारी शब्द लिंग, वचन, कारक तथा काल के अनुसार अपना रूप बदल लेते हैं। जैसे लड़का खेल रहा है, लड़के खेल रहे हैं। जबकि अविकारी शब्द लिंग, वचन, कारक तथा काल के अनुसार अपना रूप नहीं बदलते। जैसे 'राम तेज़ दौड़ता है। राधा तेज़ दौड़ती है। इसमें 'तेज़' शब्द अविकारी है जिसमें लिंग परिवर्तन के बाद भी कोई विकार या बदलाव नहीं आया।
6. हिंदी भाषा में कुछ ऐसे शब्द भी हैं, जो दो भिन्न भाषाओं के शब्दों के आपस में जुड़ने से बनते हैं, इन्हें संकर शब्द कहा जाता है। जैसे– 1. रेल (अंग्रेज़ी) + गाड़ी (हिंदी) = रेलगाड़ी, 2. घड़ी (हिंदी) + साज़ (अरबी) = घड़ीसाज़, 3. बस (अंग्रेज़ी) + अड्डा (देसी) = बसअड्डा, 4. टिकट (अंग्रेज़ी) + घर (हिंदी) = टिकटघर, 5. माँग (हिंदी) + पत्र (संस्कृत) = माँगपत्र।

(ख) दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

1. वाक्य में प्रयुक्त शब्द क्या कहलाता है? (ग) पद ✓
2. जिनके खंडों का कोई अर्थ नहीं होता– (क) रूढ़ ✓
3. उत्पत्ति के आधार पर शब्द के कितने भेद हैं? (घ) चार ✓
4. संस्कृत शब्दों में कुछ बदलाव करके बने शब्द कहलाते हैं– (ख) तद्भव ✓

(ग) दिए गए शब्दों में से रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द अलग करके लिखिए।

रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
सेना	विद्यालय	दशानन
कमल	रसोईघर	गजानन
खिड़की	सुपुत्र	नीलकंठ
दिन	स्नानगृह	पीतांबर

(घ) दिए गए शब्दों के लिए उचित विकल्प चुनिए।

1.	चिड़िया	–	देशज ✓	2.	अग्नि	–	तत्सम ✓
3.	पेंसिल	–	अंग्रेज़ी ✓	4.	विद्यालय	–	यौगिक ✓

कुछ करने की बारी

दिए गए शब्दों के तत्सम रूप शब्द-जाल में से ढूँढ़कर शब्द के सामने लिखिए।

1.	केला	कदली	2.	सावन	श्रावण
3.	उल्लू	उलूक	4.	मोर	मयूर
5.	कड़वा	कटु	6.	नींद	निद्रा

5. उपसर्ग और प्रत्यय

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. भाषा में शब्दों की वृद्धि के लिए कम से कम शब्दों का प्रयोग करके अधिक से अधिक अर्थ की अभिव्यक्ति के लिए शब्दों के आरंभ तथा अंत में कुछ शब्दांश जोड़े जाते हैं।
2. ऐसे शब्दांश जो शब्द के प्रारंभ में जुड़कर उन शब्दों के अर्थ में विशेषता ला देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।
3. प्रत्यय के दो भेद हैं– कृत प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय।
4. क्रिया के धातु रूप के अंत में लगने वाले प्रत्यय को कृत प्रत्यय कहते हैं। इससे बनने वाले शब्दों को कृदंत कहते हैं।

(ख) दिए गए शब्दों के साथ उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए।

1. सम् + पूर्ण = संपूर्ण
2. अ + धर्म = अधर्म
3. सद् + गति = सद्गति
4. अव + गुण = अवगुण
5. अध + कचरा = अधकचरा
6. उप + वन = उपवन
7. अ + ज्ञान = अज्ञान
8. दुर् + घटना = दुर्घटना
9. अप + शब्द = अपशब्द
10. अन + पढ़ = अनपढ़

(ग) दिए गए उपसर्गों से बने उचित शब्द के आगे सही (✓) का चिह्न लगाइए।

1. दुर् (ग) दुर्भाग्य ✓
2. अप (ग) अपवाद ✓
3. सह (घ) सहचर ✓
4. अ (ख) अचल ✓
5. बद (क) बदनाम ✓

(घ) दिए गए शब्दों में से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए।

1. पढ़ाकू पढ़ + आकू
2. ईमानदारी ईमान + दारी
3. पठनीय पठन + ईय
4. धार्मिक धर्म + इक
5. रंगीला रंग + ईला
6. नायक नै + अक
7. गृहस्थ गृह + स्थ
8. घबराहट घबराना + आहट
9. देवत्व देव + त्व
10. हवलदार हवल + दार

(ङ) दिए गए शब्दों में से मूल शब्द तथा दोनों प्रत्यय अलग कीजिए।

1. भारतीयता भारत + ईय + ता
2. बुद्धिमानी बुद्धि + मान + ई
3. जातीयता जाति + ईय + ता
4. ऐतिहासिकता इतिहास + इक + ता

(च) दिए गए शब्दों में से उपसर्ग, मूल शब्द एवं प्रत्यय अलग कीजिए।

	उपसर्ग		मूल शब्द		प्रत्यय
1. परिपूर्णता	परि	+	पूर्ण	+	ता
2. अपमानित	अप	+	मान	+	इत
3. अधर्मी	अ	+	धर्म	+	ई
4. बेचैनी	बे	+	चैन	+	ई

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए उपसर्गों से चार-चार शब्द बनाइए।

उप – उपहार, उपवन, उपसंहार, उपग्रह

परा – पराजय, पराया, पराभव, पराक्रम

अभि – अभिमान, अभिनय, अभिशाप, अभ्यास

स्व – स्वदेश, स्वजन, स्वतंत्र, स्वाधीन

(ख) दिए गए प्रत्ययों से चार-चार शब्द बनाइए।

आवट – लिखावट, तरावट, दिखावट, थकावट

अक – चालक, गायक, नायक, पालक

दार – हवलदार, ईमानदार, लेनदार, देनदार

आनी – देवरानी, जेठानी, महारानी, सेठानी

6. शब्द भंडार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वे शब्द जो भिन्न-भिन्न होते हुए भी किसी एक अर्थ को स्पष्ट करते हैं, समानार्थी शब्द कहलाते हैं।
2. समानार्थी शब्दों से भाषा के शब्द भंडार में वृद्धि होती है।

(ख) दिए गए शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए।

1. माता	माँ	जननी	2. पुत्र	बेटा	आत्मज
3. किनारा	तट	तीर	4. तालाब	सरोवर	ताल
5. कोयल	पिक	कोकिला	6. नदी	सरिता	तटिनी

(ग) कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित समानार्थी रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. मेरे घर के सामने आम का एक **वृक्ष** है।
2. आज घने **बादल** छाए हुए हैं।
3. रामलाल अपने **बेटे** को इंजीनियर बनाना चाहता है।
4. **सर्प** को देखते ही उसके होश उड़ गए।
5. **आकाश** में काले घने बादल छा रहे हैं।
6. सरोवर में सुंदर **कमल** खिले हैं।

(घ) दिए गए शब्दों में अनुपयुक्त समानार्थी शब्दों पर गोला लगाइए।

1.	अंशु	रश्मि	मयूख	पिक
2.	फुलवारी	वाटिका	फूल	बाग
3.	मालिक	सेवक	दास	परिचारक
4.	दुनिया	आसमान	विश्व	जगत
5.	बच्चा	शिशु	बालिका	लड़का
6.	औरत	सरिता	वनिता	कामिनी

कुछ करने की बारी

दिए गए शब्दों के उचित समानार्थी शब्दों से शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

1. कमल	2. बादल
3. माता	4. वृक्ष
5. पवित्र	6. हवा
7. जंगल	8. सरिता

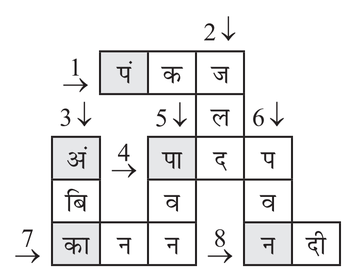

विलोम शब्द

विलोम या विपरीत का अर्थ है उलटा। जो शब्द एक-दूसरे शब्द का विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं, वे विलोम शब्द होते हैं। हिंदी भाषा का विलोम शब्द भंडार अति संपन्न है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ पाठ पृष्ठ 40-41 पर दिए विलोम शब्दों को पढ़वाएँ।
- ❖ छात्रों से कुछ शब्दों के विलोम शब्द पूछें।
- ❖ प्रत्येक छात्र को बोलने का समान अवसर दें।
- ❖ बताएँ, कुछ विलोम शब्द मूल शब्दों के आगे उपसर्ग जोड़कर भी बनाए जाते हैं।
- ❖ समझाएँ, तत्सम शब्दों के विलोम तत्सम तथा तद्भव शब्दों के विलोम तद्भव ही होते हैं।

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. विपरीत अर्थ का ज्ञान कराने वाले शब्द विलोम या विपरीतार्थक शब्द कहलाते हैं।
2. विलोम शब्दों का प्रयोग साथ-साथ तथा अलग-अलग दोनों रूपों में होता है।

(ख) दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

1.	वरदान	×	अभिशाप	2.	उपकार	×	अपकार
3.	कायर	×	वीर	4.	घृणा	×	प्रेम
5.	आदान	×	प्रदान	6.	मित्र	×	शत्रु
7.	पंडित	×	मूर्ख	8.	जन्म	×	मरण
9.	अमृत	×	विष	10.	पवित्र	×	अपवित्र
11.	नवीन	×	प्राचीन	12.	पुरस्कार	×	दंड

(ग) दिए गए विकल्पों में से उचित विलोम शब्द चुनिए।

1. हास्य (ख) रुदन ✓
2. प्राचीन (क) नवीन ✓
3. आय (ग) व्यय ✓
4. मूर्ख (घ) पंडित ✓
5. आरंभ (ख) अंत ✓

(घ) रंगीन शब्दों के उचित विलोम शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. हमें सभी से प्रेम का व्यवहार करना चाहिए **घृणा** का नहीं।
2. बिहार में बाढ़ आई है मगर राजस्थान में **सूखा** है।
3. **कठोर** वचन न बोलकर मधुर वचन बोलने चाहिए।
4. आजकल शिष्य अपने **गुरु** का सम्मान नहीं करते।
5. विद्यार्थी को आलस्य से नहीं **स्फूर्ति** से काम करना चाहिए।

कुछ करने की बारी

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द से शब्द-जाल पूरा कीजिए।

1. उत्थान
1. जय
2. हार
3. अँधेरा
3. अनुचित
4. चढ़ाव
4. गहरा
5. प्रकाश
6. उधार
7. कोमल
8. अनुदार

1↓→ प	रा	ज	य			2↓ जी
त				3↓→ उ	चि	त
न				जा		
		4↓→ उ	थ	ला		5↓ अं
6↓ न		ता				ध
7→ क	ठो	र				का
द				8→ उ	दा	र

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

शिक्षण-संकेत

भाषा जितनी संक्षिप्त होती है उतनी ही प्रभावशाली होती है। भाषा को संक्षिप्त बनाने के लिए हिंदी में ऐसे बहुत-से शब्द हैं जो कई शब्दों की जगह एक शब्द के रूप में प्रयोग होते हैं। एक शब्द के लिए कई शब्दों के प्रयोग से भाषा बोझिल बन जाती है, इसलिए अनेक के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जाता है।

- ❖ पाठ पृष्ठ 43 पर दिए अनेक शब्दों तथा उनके एक शब्दों के उदाहरण पढ़वाएँ, तदुपरांत समझाएँ।
- ❖ इनके प्रयोग पर ध्यान दिलाएँ।
- ❖ पृष्ठ 44-45 पर दिए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द छात्रों से पढ़वाएँ।
- ❖ सभी छात्रों को पढ़ने का अवसर दें।

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वाक्य को संक्षिप्त तथा अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जाता है। इस प्रक्रिया के द्वारा कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक भाव भी अभिव्यक्त किए जा सकते हैं।
2. घूमने-फिरने वाला – घुमक्कड़।

(ख) दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

1. अपराजेय
2. चिकित्सक
3. अजातशत्रु
4. नास्तिक
5. अनुकरणीय
6. वाचाल

(ग) दिए गए एक शब्द के लिए अनेक शब्द लिखिए।

1. दयालु – जिसमें दया हो।
2. लोकप्रिय – जो लोक/लोगों में प्रिय हो।
3. स्वार्थी – अपना मतलब निकालने वाला।
4. अतुलनीय – जिसकी तुलना न की जा सके।

(घ) वाक्यों में आए अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखकर वाक्य दोबारा लिखिए।

1. अपरिचित	2. शरणागत	3. नास्तिक
4. गोपनीय	5. लोकप्रिय	

कुछ करने की बारी

'अ' से शुरू करके शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

1. जो कभी न मरे
2. जिसे कोई भी जानकारी न हो
3. जो जीता न जा सके
4. जो अनुकरण करने योग्य हो

अ	म	र			
अ	न	भि	ज्ञ		
अ	प	रा	जे	य	
अ	नु	क	र	णी	य

अनेकार्थी शब्द

अनेकार्थी अर्थात् अनेक अर्थ वाले। ऐसे बहुत-से शब्द हैं जो किसी शब्द के अनेक अर्थ प्रकट करते हैं, ऐसे शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों को अनेकार्थी शब्दों के बारे में बताएँ। पृष्ठ 47 पर दिए उदाहरणों को पढ़ें तथा उनका अंतर समझाएँ।
- ❖ अध्यापक/अध्यापिका छात्रों को कुछ शब्द बोलें और उनसे उन शब्दों के अलग-अलग अर्थ बताने के लिए कहें।
- ❖ पृष्ठ 47-48 पर दिए अनेकार्थी शब्दों को छात्रों से पढ़वाएँ।
- ❖ सभी छात्रों को वाचन का समान अवसर दें।
- ❖ पाठ अभ्यास के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से ही पूछें।

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. एक से अधिक अर्थ बताने वाले शब्दों को अनेकार्थी शब्द कहते हैं। जैसे– तीर का अर्थ 'बाण' और 'किनारा' होता है। काल का अर्थ 'समय' और 'मृत्यु' भी होता है।
2. अनेकार्थी शब्दों द्वारा भाषा का शब्द भंडार तो बढ़ता ही है। साथ ही एक शब्द के अनेक अर्थ जानने को भी मिलते हैं।

(ख) दिए गए शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए।

1. दल	समूह	पक्ष	2. अग्र	पहले	श्रेष्ठ
3. नीरज	कमल	मोती	4. घट	घड़ा	शरीर
5. तनु	पतला	सुंदर	6. उत्सर्ग	त्याग	दान
7. पानी	जल	कांति	8. तीर	किनारा	बाण
9. जीवन	प्राण	वायु	10. काल	समय	मृत्यु

(ग) दिए गए शब्दों के भिन्न-भिन्न अर्थ प्रकट करने वाले दो-दो वाक्य बनाइए।

विद्यार्थी स्वयं वाक्य बनाएँगे।

(घ) **गलत अर्थ पर गोला लगाइए।**

1.	मकान	कुल	कार्यालय	(वस्त्र)
2.	(पतंग)	पैर	स्थान	उपाधि
3.	लाभ	(रहस्य)	नतीजा	प्रयोजन
4.	घड़ा	शरीर	मन	(लेना)
5.	(दुश्मन)	भौंरा	सखि	कोयल
6.	(पीछे)	त्याग	दान	समाप्ति

कुछ करने की बारी

दिए गए चित्रों से संबंधित शब्द तथा उसके दो-दो अर्थ लिखिए।

शब्द	**अर्थ**	
तीर	किनारा	बाण
नाग	हाथी	मनुष्य
जलज	शंख	मोती
गुरु	शिक्षक	भारी

समरूपी भिन्नार्थक शब्द

जो शब्द सुनने में समान हों या लगें परंतु अर्थ की दृष्टि से भिन्न हों, उन्हें समरूपी भिन्नार्थक शब्द कहते हैं। हिंदी भाषा के शब्द भंडार में बहुत-से ऐसे शब्द हैं जो सुनने में प्राय: एक जैसे लगते हैं। इन्हें श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द भी कहते हैं।

शिक्षण-संकेत

- छात्रों से समरूपी भिन्नार्थक शब्दों के बारे में जानें।
- पाठ पृष्ठ 50-51 पर दिए गए समरूपी भिन्नार्थक शब्दों को छात्रों से पढ़वाएँ।
- इन शब्दों के अर्थ भी साथ में समझाते जाएँ।
- प्रत्येक छात्र को वाचन का समुचित अवसर दें।
- समझाएँ, इन शब्दों की पहचान उच्चारण, वर्तनी एवं प्रयोग से होती है। यदि इन शब्दों का उचित उच्चारण न किया जाए तो अर्थ का अनर्थ संभव है।
- पाठ अभ्यास के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।
- अभ्यास जाँचें तथा त्रुटि होने पर यथासंभव सुधार करवाएँ।

अभ्यास

(क) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।**

1. ऐसे शब्द जो ध्वनि और वर्तनी की दृष्टि से बहुत कुछ समान लगते हैं परंतु अर्थ की दृष्टि से भिन्न होते हैं, उन्हें समरूपी भिन्नार्थक या श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहते हैं। ये सुनने में एक समान लगते हैं किंतु अर्थ भिन्न होते हैं।
2. 'तरंग' का अर्थ नदी या समुद्र की लहर तथा 'तुरंग' घोड़े को कहते हैं।

(ख) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए।

1.	गृह	घर	2.	परिणाम	फल
	ग्रह	नक्षत्र		परिमाण	मात्रा
3.	योग्य	अच्छा	4.	अधम	नीच
	योग	जोड़		अधर्म	पाप
5.	पथ	राह	6.	मात्र	केवल
	पथ्य	रोगी का भोजन		मातृ	माँ
7.	चिर	पुराना	8.	अवधि	सीमा
	चीर	वस्त्र		अवधी	एक भाषा का नाम
9.	प्रधान	मुख्य	10.	कृपण	कंजूस
	परिधान	वस्त्र		कृपाण	कटार

(ग) दिए गए वाक्यों में गलत शब्द के प्रयोग को पहचानिए तथा सही करके वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. नैनीताल के सर में सुंदर कमल खिलते हैं।
2. गरीबों की नियति में दुख झेलना ही लिखा होता है।
3. मेरे जीवन का लक्ष्य डॉक्टर बनना है।
4. ठंडी-ठंडी पवन चल रही है।
5. भगवान को प्रणाम करो।
6. राजा का प्रासाद बहुत सुंदर था।
7. आज ठंडी-ठंडी हवा बह रही है।
8. सचिन को कल मुंबई जाना है।
9. बेटे की मृत्यु से वह शोक में डूबा है।
10. यह पथ सीधा मंदिर तक जाता है।

कुछ करने की बारी

दिए गए शब्दों के अर्थ शब्द-जाल में से ढूँढ़कर लिखिए।

1. अभिराम – सुंदर
   अविराम – लगातार
2. बलि – भेंट
   बली – बलवान
3. ग्रह – नक्षत्र
   गृह – घर
4. तरणी – नौका
   तरुणी – युवती

भें	ल	त्र	ता	ट	म	उ
ट	अ	छ	मृ	न	यु	दा
र	च	नौ	ठ	क्ष	त	ह
ख	ब	का	ट	त्र	घ	ल
आ	ल	यु	व	ती	र	गा
कां	वा	ण	ध	प	ढ	ता
क्षा	न	व	टे	सुं	द	र

7. संज्ञा

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी और भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के तीन भेद हैं– व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा।
3. व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान और वस्तु का पता चलता है।

   जातिवाचक संज्ञा शब्दों से वस्तु, प्राणी या पदार्थ आदि की पूरी जाति का पता चलता है।
4. कुछ जातिवाचक संज्ञाएँ विशेष अर्थ में रूढ़ होकर व्यक्ति विशेष के लिए प्रयुक्त की जाती हैं। जैसे– पंडित जी हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे। इस वाक्य में पंडित जी जातिवाचक संज्ञा है, जो व्यक्तिवाचक संज्ञा 'जवाहरलाल नेहरू' के लिए प्रयुक्त हुई है। इसी तरह व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों का प्रयोग जातिवाचक संज्ञा के रूप में किया जाता है। जैसे– 'इस देश में विभीषणों की कमी नहीं है।' इस वाक्य में 'विभीषण' धोखेबाज व्यक्ति का प्रतीक है। यह शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा होते हुए भी जातिवाचक संज्ञा धोखेबाज या कपटी व्यक्तियों के लिए प्रयुक्त होता है।

(ख) दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्द रेखांकित करके उनका भेद लिखिए।

1. रवि अपना बचाव करना जानता है।	व्यक्तिवाचक, भाववाचक
2. बाग की हरियाली देखकर मन प्रसन्न हो गया।	जातिवाचक, भाववाचक
3. भारत में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।	व्यक्तिवाचक
4. शेर की दहाड़ सुनकर भावेश बेहोश हो गया।	जातिवाचक, व्यक्तिवाचक
5. स्वाति की मित्रता मुझे प्रिय है।	व्यक्तिवाचक, भाववाचक

(ग) निम्नलिखित शब्दों को भाववाचक संज्ञा में बदलकर लिखिए।

1. मित्र	मित्रता	2. बूढ़ा	बुढ़ापा
3. शीघ्र	शीघ्रता	4. एक	एकता
5. बुरा	बुराई	6. मधुर	मधुरता
7. वीर	वीरता	8. स्पष्ट	स्पष्टता
9. मीठा	मिठास	10. महान	महानता

(घ) दिए गए शब्दों को पहचानकर उनके भेद के अनुसार अलग-अलग कीजिए।

व्यक्तिवाचक	**जातिवाचक**	**भाववाचक**
दिल्ली	नेता	बुराई
चंद्रशेखर	पशु	चिल्लाहट
विक्रम	बालक	कायरता
ताजमहल	पक्षी	दोस्ती
भव्या	मित्र	प्यास

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाकर शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

1. अधिक
2. अकेला
3. कठोर
4. मिलना
5. मित्र
6. भावुक
7. कमाना
8. पढ़ना

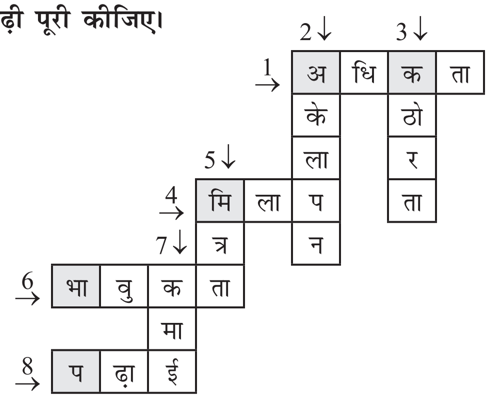

(ख) आपके मित्र में ऐसे कौन-कौन से गुण हैं जो आपको प्रभावित करते हैं? उन गुणों को भाववाचक संज्ञा के रूप में लिखिए।

विद्‍यार्थी स्वयं करें।

8. लिंग

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का पता चलता है, उसे लिंग कहते हैं।
2. पुरुष जाति के शब्दों से पुल्लिंग तथा स्त्री जाति के शब्दों से स्त्रीलिंग की पहचान होती है। इसके साथ ही वाक्य में प्रयोग करने पर भी पुल्लिंग-स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान की जा सकती है।
3. हिंदी में अप्राणीवाचक संज्ञा के लिंग की पहचान इनके लिए प्रयुक्त क्रिया शब्दों से की जाती है। इसके अतिरिक्त लिंग निर्धारण के कुछ नियम निश्चित हैं। जैसे– दिनों के नाम, महीनों के नाम, समुद्रों के नाम, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं आदि के नाम पुल्लिंग होते हैं तथा नदियों के नाम, तिथियों के नाम, भाषाओं आदि के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

(ख) दिए गए शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए।

1. लेखक	लेखिका	2. अध्यापक	अध्यापिका
3. सहायक	सहायिका	4. चोर	चोरनी
5. ठाकुर	ठकुराइन	6. चिड़ा	चिड़िया
7. आचार्य	आचार्या	8. पुत्र	पुत्री
9. बुद्धिमान	बुद्धिमती	10. भानजा	भानजी
11. डिब्बा	डिबिया	12. जेठ	जेठानी
13. पंडित	पंडिताइन	14. हलवाई	हलवाइन
15. सुत	सुता	16. कवि	कवयित्री

(ग) रंगीन शब्दों के विपरीत लिंग से रिक्त स्थान भरिए।

1. **कवयित्री** ने सुंदर कविताएँ सुनाईं।
2. कल मेरे **मामा** अमेरिका जाने वाले हैं।
3. मुझे **हलवाई** का बना खाना पसंद नहीं है।
4. उस **बुद्धिमान** लड़के को बुलाओ।
5. मुझे नाचता हुआ **मोर** बहुत पसंद है।
6. **माली** ने बाग की देखभाल बहुत अच्छी तरह की है।

(घ) वाक्यों में लिंग संबंधी अशुद्धियों को दूर करके वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. बच्चा पानी से खेल रहा है।
2. स्मिता खाना खा रही है।
3. मेरा परिवार बहुत अच्छा है।
4. आचार्या कक्षा में आईं।
5. धोबिन कपड़े धो रही है।

(ङ) रंगीन शब्दों के लिंग बताइए।

1. पुल्लिंग	2. स्त्रीलिंग	3. पुल्लिंग
4. स्त्रीलिंग	5. पुल्लिंग	6. पुल्लिंग

(च) दिए गए संज्ञा शब्दों के लिंग बताइए।

1. पुल्लिग 2. स्त्रीलिंग 3. स्त्रीलिंग 4. स्त्रीलिंग 5. स्त्रीलिंग 6. स्त्रीलिंग 7. पुल्लिग
8. पुल्लिग 9. पुल्लिग 10. स्त्रीलिंग 11. स्त्रीलिंग 12. स्त्रीलिंग

कुछ करने की बारी

निम्नलिखित अनुच्छेद में रंगीन शब्दों की पहचान स्त्रीलिंग या पुल्लिंग के रूप में कीजिए।

समय (पुल्लिग) भले ही सोने का हो, आँखों में नींद (स्त्रीलिंग) समा रही हो, अपना खाना (पुल्लिग) खाकर नई-नई बातें करने का समय हो या पिता जी की मधुर बातें सुनने का मन हो, पर लड़कों (पुल्लिग) को उस समय गृहकार्य करने में लगना पड़ता है। कितने घंटों (पुल्लिग) तक पाठशाला में रहकर पढ़ना और उसके बाद भी घर (पुल्लिग) लौटकर फिर उसी काम में लगना?

शिक्षक (पुल्लिग) तो पढ़ाने में ही थक जाते हैं, लेकिन बालकों (पुल्लिग) को तो पढ़ने की और घर लौटकर गृहकार्य (पुल्लिग) पूरा करने की – दोनों थकानों को सहन करना पड़ता है। शिक्षक तो पाठशाला (स्त्रीलिंग) से छूटे नहीं कि काम निपटा, पर विद्यार्थियों के पीछे तो गृहकार्य का भूत (पुल्लिग) लगा ही रहता है, जो न उनको रात (स्त्रीलिंग) में सुख से सोने देता, न सवेरे (पुल्लिग) सुख से खेलने देता। जब गृहकार्य पूरा नहीं होता तो बच्चे परेशान होते हैं, घबराहट (स्त्रीलिंग) में अधिक से अधिक पढ़ते हैं। जैसे-जैसे वे दुखी (स्त्रीलिंग) होते जाते हैं वैसे-वैसे उनकी मस्तिष्क (पुल्लिग) की दुर्बलता (स्त्रीलिंग) बढ़ती जाती है और वे पढ़ी हुई बातों को भूलते जाते हैं। फिर तो होता यह है कि बिना समझे वे रटते रहते हैं।

हम बालकों को गृहकार्य के इस बोझ (पुल्लिग) से मुक्त कर सकते हैं यदि पाठशाला में अच्छी पढ़ाई (स्त्रीलिंग) हो। यदि बालक को समझाते हुए पढ़ाया जाता है और बालक भी समझ (स्त्रीलिंग) के साथ पढ़ता है तो गृहकार्य कराने की ज़रूरत ही नहीं पड़ेगी।

9. वचन

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. शब्द के जिस रूप से संज्ञा शब्द की एक या एक से अधिक संख्या का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं।
2. वचन के दो भेद हैं –
   1. शब्द के जिस रूप से एक ही वस्तु या प्राणी का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे– घोड़ा घास खा रहा है।
   2. शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं या प्राणियों का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे– घोड़े घास खा रहे हैं।
3. वचन की पहचान संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया शब्दों के रूप से की जाती है। जैसे– संज्ञा – दरवाज़ा, दरवाज़े; सर्वनाम – वह, वे, मैं, हम, यह ये; विशेषण – बड़ा, बड़े

   किसान हल चला रहा है। किसान हल चला रहे हैं।
4. बड़प्पन दिखाने के लिए 'मैं' के स्थान पर 'हम' का प्रयोग किया जाता है।

(ख) दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए।

1.	आँख	आँखें	2.	घड़ी	घड़ियाँ
3.	गुड़िया	गुड़ियाँ	4.	ताला	ताले
5.	पंक्ति	पंक्तियाँ	6.	लुटिया	लुटियाँ
7.	सीटी	सीटियाँ	8.	कमरा	कमरे
9.	लता	लताएँ	10.	कथा	कथाएँ
11.	पंखा	पंखे	12.	रानी	रानियाँ

(ग) निम्नलिखित वाक्यों का वचन परिवर्तन करके वाक्य दोबारा लिखिए।

1. आज सड़क सुनसान पड़ी है।
2. वर्षा के कारण नदी का जलस्तर बढ़ गया है।
3. उन लड़कियों को बुलाओ।
4. इस कमरे में झाड़ू लगाओ।
5. घोड़े मैदान में घास खा रहे हैं।
6. ये फूल वाले गमले कितने सुंदर लग रहे हैं।

(घ) दिए गए शब्दों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि इनका वचन स्पष्ट हो जाए।

1. नल से पानी गिर रहा है।
2. दूध उबल गया।
3. बाल झड़ रहे हैं।
4. माँ को कष्ट में देखकर बेटे के आँसू निकल आए।

5. वीरों के आगे आकाश भी झुक जाता है।
6. हमारे घर प्रतिदिन समाचार पत्र आता है।
7. दुर्घटना में रमेश के प्राण बच गए।

(ङ) दिए गए वाक्यों में वचन संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए।

1. भीड़ जमा हो गई है।
2. हम कल आपके घर आएँगे।
3. वे हमारे अच्छे मित्र हैं।
4. बच्चे ने अच्छा खेल दिखाया।
5. पानी बरस रहा है।
6. मामा जी ने मुझे किस्सा सुनाया।

कुछ करने की बारी

संकेतों के आधार पर सदा एकवचन या बहुवचन रहने वाले शब्दों से शब्द-जाल पूरा कीजिए।

1. जब हम रोते हैं तो आँख से निकलते हैं।
2. यह सुबह सवेरे निकलता है।
3. 'घमंड' का समानार्थी शब्द
4. यह रात में रोशनी देता है।
5. 'पृथ्वी' का समानार्थी शब्द
6. ये हमारे सिर पर उगते हैं।
7. माता जी के पिता जी
8. 'आसमान' का समानार्थी शब्द
9. इसे करने से दूसरों का काम आसान हो जाता है।
9. इन्हें समाचारपत्र में पढ़ते हैं।
10. माता जी के भाई
11. हम इसमें रहते हैं।
12. इन्हें अध्यापिका कॉपी जाँचने के बाद करती हैं।

1→ आँ	2↓ सू					3↓ अ		4↓ चाँ
5→ ध	र	ती				हं	6↓ के	द
7↓ ना	ज				8→ आ	का	श	
ना			9↓→ स	10↓ मा	चा	र		
			ह	मा				
			यो					11↓ घ
			ग		12→ ह	स्ता	क्ष	र

10. कारक

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. किसी वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य की क्रिया से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं।
2. कारक के भेद हैं– कर्ता कारक, कर्म कारक, करण कारक, संप्रदान कारक, अपादान कारक, संबंध कारक, अधिकरण कारक तथा संबोधन कारक।
3. जहाँ संज्ञा या सर्वनाम के रूप पर क्रिया के व्यापार का फल पड़ता है, वहाँ कर्म कारक होता है तथा जिसको कुछ दिया जाता है या जिसके लिए क्रिया की जाती है, वहाँ संप्रदान कारक होता है। जैसे–

   पिता जी राहुल को बुला रहे हैं। (कर्म कारक) पिता जी ने राहुल को पैसे दिए। (संप्रदान कारक)
4. करण तथा अपादान कारक दोनों की विभक्ति 'से' है। जहाँ साधन के अर्थ में 'से' का प्रयोग हो वहाँ करण कारक होता है और जहाँ तुलना, डर एवं अलग होने के भाव के लिए इसका प्रयोग हो, वहाँ अपादान कारक होता है। जैसे–

   रमा **झाड़ू से** घर साफ़ करती है। (साधन- करण कारक)

   कमल **विमल से** लंबा है। (तुलना- अपादान कारक)
5. संबोधन कारक अन्य कारकों से भिन्न इसलिए है क्योंकि इसमें संज्ञा शब्दों का प्रयोग बुलाने-पुकारने अथवा सावधान करने के लिए किया जाता है। हे! अरे!, हाय! संबोधन कारक चिह्न हैं। इसमें संज्ञा शब्द के बाद अल्पविराम चिह्न या विस्मयबोधक चिह्न लगता है।

(ख) दिए गए वाक्यों में रंगीन कारक शब्दों के भेद लिखिए।

1. संबंध कारक
2. कर्ता कारक, कर्म कारक
3. संबंध कारक
4. अधिकरण कारक
5. अपादान कारक
6. कर्म कारक

(ग) रंगीन कारक शब्दों का भेद दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

1. कल माँ का पत्र मिला। (क) संबंध कारक ✓
2. तुम्हारे बनाए चित्र को देखने की बहुत इच्छा है। (घ) कर्म कारक ✓
3. मैंने दिल्ली के बारे में बहुत कुछ सुना है। (क) संबंध कारक ✓
4. दोनों ने अपनी-अपनी आपबीती सुनाई। (ग) कर्ता कारक ✓
5. वह स्कूल से सीधा घर पहुँचा। (ख) अपादान कारक ✓

(घ) दिए गए वाक्यों में कारकीय अशुद्धियों को दूर करके वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. वह सड़क के किनारे बैठकर भीख माँगता था।
2. ईश्वर ने हमें मेहनत करने के लिए ये हाथ दिए हैं।
3. एक गाँव में दो मित्र रहते थे।
4. भेड़िये के मुँह में पानी आ गया।
5. तुम्हारे आने से मुझे बहुत खुशी होगी।

कुछ करने की बारी

रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न भरिए।

किसी गाँव **में** गड़रिये **का** एक लड़का रहता था। वह रोज़ भेड़-बकरियाँ चराने जंगल **में** जाता था। एक दिन उसे गाँववालों **से** मज़ाक करने **की** इच्छा हुई। वह एक पेड़ **पर** चढ़ गया और चिल्लाने लगा, "बचाओ, बचाओ! शेर आया, शेर आया!"

लड़के **की** आवाज़ सुनते ही आस-पास **के** खेतों **से** गाँववाले अपने-अपने हथियार लेकर दौड़ पड़े। उन्होंने लड़के **के** पास पहुँचकर पूछा कि शेर कहाँ है? जल्दी बता। लड़के **ने** हँसकर कहा, "मैंने तो यों ही मज़ाक किया था।" लोगों **को** लड़के **की** मूर्खता **पर** गुस्सा आया।

11. सर्वनाम

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे– मैं, तू, वह, आप, सो, जो, कोई, कौन, क्या, कुछ आदि सर्वनाम हैं।
2. पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं– उत्तम पुरुषवाचक, मध्यम पुरुषवाचक तथा अन्य पुरुषवाचक।
3. किसी निश्चित वस्तु या प्राणी का बोध कराने वाले सर्वनाम शब्दों को निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे– 'वह', 'यह' तथा 'ये' सर्वनाम निश्चित प्राणियों के लिए प्रयुक्त होते हैं। जबकि अनिश्चयवाचक सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु या प्राणी का बोध नहीं होता है। इसमें कोई, किसी, कुछ सर्वनाम का प्रयोग होता है।

(ख) दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

1. सर्वनाम के कुल कितने भेद हैं? (घ) छह ✓
2. बोलने वाला जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग अपने लिए करता है– (क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम ✓
3. वे शब्द जो किसी अन्य उपवाक्य में प्रयोग होते समय संज्ञा या सर्वनाम से संबंध दर्शाते हैं–
   (ग) संबंधवाचक सर्वनाम ✓
4. जिन सर्वनामों का प्रयोग निजत्व का बोध कराने के लिए होता है– (ख) निजवाचक सर्वनाम ✓
5. कुछ लोग बाहर खड़े हैं।– वाक्य में रेखांकित सर्वनाम का भेद बताइए।
   (घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम ✓

(ग) दिए गए वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करके उनका भेद लिखिए।

1. वह मेरा प्रिय मित्र है। — निश्चयवाचक, उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम
2. वह स्वयं ही लिखकर लाया था। — पुरुषवाचक, निजवाचक सर्वनाम
3. वे सभी कल अवश्य आएँगे। — निश्चयवाचक सर्वनाम
4. शायद कोई आया है। — अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. तुम क्या खा रहे हो? — मध्यम पुरुषवाचक, प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. जो आया है सो जाएगा। — संबंधवाचक सर्वनाम

(घ) वाक्यों में आए सर्वनाम शब्दों की अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए।

1. खीर में कुछ गिर गया है।
2. उसका नाम क्या है?
3. तुम क्या खा रहे हो?
4. जिसकी लाठी उसकी भैंस।
5. नेहा किसके साथ गई है?

(ङ) उचित सर्वनाम शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करिए।

तभी अचानक एक दिन **उसकी** पत्नी बीमार पड़ गई। व्यापारी ने **उसका** बहुत इलाज करवाया, पर **वह** बच न सकी। व्यापारी को **उसकी** मृत्यु का बहुत दुख हुआ। **वह** उदास रहने लगा था। समय बीतता गया। व्यापारी

का लड़का अब बड़ा हो चुका था। **उसने अपने** लड़के का विवाह एक सामंत की पुत्री से तय करने का निर्णय किया, पर सामंत ने **उससे** कहा, "यदि **तुम अपनी** सारी संपत्ति **अपने** लड़के के नाम कर दोगे, तभी **मैं** पुत्री का विवाह **तुम्हारे** लड़के के साथ करूँगा, वरना नहीं" व्यापारी ने **उसकी** शर्त मान ली और **उसने** सारी संपत्ति **अपने** लड़के के नाम कर दी।

कुछ करने की बारी

(क) कक्षा में कोई विद्यार्थी एक कहानी बिना सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किए सुनाएगा तथा उसी कहानी को अन्य विद्यार्थी सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करके सुनाएगा।

विद्यार्थी स्वयं करें।

(ख) सर्वनाम शब्दों के सभी भेदों का एक चार्ट बनाकर कक्षा में लगाइए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

12. विशेषण

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

   विशेषण के चार भेद हैं– गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण, सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण।
2. निश्चित संख्यावाचक विशेषण से संज्ञा और सर्वनाम शब्दों की निश्चित संख्या का बोध होता है।

   जबकि अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण द्वारा संज्ञा और सर्वनाम की संख्या का कोई निश्चित बोध नहीं होता।
3. संज्ञा के स्थान पर या स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। संज्ञा के पहले प्रयोग में लाए जाने वाले वे सर्वनाम शब्द जो संज्ञा की विशेषता बताते हैं, सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।
4. जो शब्द विशेषण की विशेषता बताते हैं, प्रविशेषण कहलाते हैं।

(ख) दिए गए वाक्यों को पढ़कर विशेषण, विशेष्य और प्रविशेषण छाँटकर अलग कीजिए।

	विशेषण	विशेष्य	प्रविशेषण
1. पक्षियों के पंख बहुत सुंदर लग रहे थे।	सुंदर	पंख	बहुत
2. चिड़ियों का वह प्यारा-सा घोंसला उजड़ न पाए।	प्यारा	घोंसला	सा
3. कवि ने इतनी अच्छी कविता सुनाई।	अच्छी	कविता	इतनी
4. राजकुमारी पद्मावती अत्यंत सुंदर थी।	सुंदर	पद्मावती	अत्यंत

(ग) दिए गए वाक्यों में रंगीन विशेषण शब्दों के उचित भेद पर सही (✓) का चिह्न लगाइए।

1. उस दिन मुंबई में एक साथ चार धमाके हुए। (क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण ✓
2. मुझे थोड़ा खाना दे दो। (ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण ✓
3. वह लड़का चलते-चलते गिर गया। (ख) सार्वनामिक विशेषण ✓
4. यह फ़र्श खुरदरा है। (ख) गुणवाचक विशेषण ✓
5. उस सभा में अनगिनत लोग थे। (ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण ✓

(घ) दिए गए संज्ञा शब्दों से विशेषण बनाकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. विष	विषैला	2. अंत	अंतिम
3. प्यास	प्यासा	4. धन	धनवान
5. रोग	रोगी	6. अर्थ	आर्थिक
7. शर्म	शर्मीला		

वाक्य प्रयोग छात्र स्वयं करेंगे।

(ङ) दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा सार्वनामिक विशेषण शब्दों पर गोला लगाइए।

1. वह (उस) घर का मालिक है।
2. मैं (इस) परिवार को जानता हूँ।

3. मेरा यह मित्र बहुत बुद्धिमान है।

4. मेरी माँ मेरे दोस्त के लिए पुस्तक लाईं।

5. लगता है उस दरवाज़े पर कोई खड़ा है।

6. तुम कल मेरी पुस्तक अवश्य लाना।

7. वह कौनसी गाड़ी से गया था?

8. हम इसी घर में रहेंगे।

कुछ करने की बारी

(क) निम्नलिखित पंक्तियों में आए विशेषण शब्दों को रेखांकित करके उनका भेद बताइए।

दस वर्ष तक अली मुहम्मद इस चक्की पर काम करता रहा। उसका मालिक हर महीने कम से कम सात सौ रुपए कमाता था। इस दौरान उसने पाँच सौ रुपए बचा लिए थे। एक दिन उसने सोचा कि जब सारी दुनिया में धोखा ही धोखा है तो वह भी क्यों न धोखा करे।

अब अली मुहम्मद ने अपनी चक्की खोल ली और उसमें मिर्च और हल्दी में मिलावट करने का काम शुरू कर दिया। उसकी आमदनी अब अच्छी हो गई थी।

अली मुहम्मद खुश था। उसने धोखेबाज़ी पूरी तरह सीख ली थी। उसको अब इसके सारे गुर मालूम हो गए थे। कितनी लाल मिर्ची में कितनी ईंट पीसनी चाहिए, हल्दी में कितनी पीली मिट्टी डालनी चाहिए, यह सब उसको अच्छी तरह मालूम हो चला था। लेकिन एक दिन उसकी चक्की पर पुलिस का छापा पड़ा। हल्दी और मिर्चों के नमूने बोतलों में डालकर मुँह बंद किए गए और जब रिपोर्ट आई कि उनमें मिलावट है तो उसे गिरफ़्तार कर लिया गया।

विशेषण	भेद
दस, सात सौ, पाँच सौ, एक	निश्चित संख्यावाचक विशेषण
इस, अपनी	सार्वनामिक विशेषण
सारी, सारे	अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
अच्छी, लाल, पीली, पूरी	गुणवाचक विशेषण
कितनी	परिमाणवाचक विशेषण

(ख) किन्हीं सात जंगली जानवरों की एक-एक विशेषता कक्षा में बताइए।

1. भयानक शेर
2. लंबा जिराफ़
3. मोटा हाथी
4. चालाक लोमड़ी
5. खूँखार भेड़िया
6. फुर्तीला चीता
7. जहरीला साँप

13. क्रिया

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. जिन शब्दों से किसी कार्य के होने या करने का पता चले, उन्हें क्रिया कहते हैं।
2. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं– अकर्मक क्रिया तथा सकर्मक क्रिया।
3. संरचना की दृष्टि से क्रिया के पाँच भेद हैं– सामान्य क्रिया, संयुक्त क्रिया, नामधातु क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया और पूर्वकालिक क्रिया।
4. अकर्मक क्रिया में क्रिया के व्यापार का फल कर्ता पर ही पड़ता है तथा इसके साथ कर्म नहीं होता।

   जबकि सकर्मक क्रिया में क्रिया के साथ कर्म लगा होता है तथा क्रिया का फल कर्ता को छोड़कर कर्म पर पड़ता है।

(ख) दिए गए वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए।

1. वह खाना खा रहा है।
2. मदन पतंग उड़ाएगा।
3. हिमानी को पकौड़े अच्छे लगते हैं।
4. रुपाली मेरी प्रिय सहेली है।
5. भावना मुंबई जा रही है।
6. मनीष चुपचाप काम करने लगा।

(ग) कर्म के आधार पर क्रिया के भेद पहचानकर लिखिए।

1. अकर्मक क्रिया
2. सकर्मक क्रिया
3. सकर्मक क्रिया
4. सकर्मक क्रिया
5. सकर्मक क्रिया
6. अकर्मक क्रिया
7. सकर्मक क्रिया

(घ) संरचना की दृष्टि से क्रिया के भेद पहचानकर लिखिए।

1. प्रेरणार्थक क्रिया
2. पूर्वकालिक क्रिया
3. सामान्य क्रिया
4. सामान्य क्रिया
5. संयुक्त क्रिया
6. सामान्य क्रिया
7. संयुक्त क्रिया
8. पूर्वकालिक क्रिया

(ङ) क्रिया संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. पिता जी ऑफ़िस जाएँगे।
2. आज वर्षा ज़रूर होगी।
3. लड़कियाँ मेरे साथ अवश्य आएँगी।
4. धोबी कपड़े लाया।
5. सूर्य पूर्व दिशा से निकलता है।
6. गृहकार्य क्यों नहीं किया?
7. सचिन आज नहीं गया।
8. मछली तालाब में तैरती है।
9. माली पौधे लगा रहा है।
10. बंदरिया बगीचे में उछल-कूद कर रही है।

कुछ करने की बारी

दिए गए चित्रों पर आधारित कहानी लिखिए और उसमें आए क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

14. काल

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का बोध होता है, उसे काल कहते हैं।
2. क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान समय में होने का बोध होता है, उसे वर्तमान काल कहते हैं।
3. भूतकाल के छह भेद होते हैं– सामान्य भूतकाल, आसन्न भूतकाल, पूर्ण भूतकाल, अपूर्ण भूतकाल, संदिग्ध भूतकाल, हेतुहेतुमद भूतकाल।
4. क्रिया के जिस रूप से उसका निकट भविष्य में सामान्य रूप से होने का बोध हो, उसे सामान्य भविष्यत् काल कहते हैं। जैसे– मोहन कल जाएगा।

(ख) दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त काल को पहचानिए और उसका भेद लिखिए।

1. सामान्य भविष्यत् काल
2. अपूर्ण वर्तमान काल
3. संदिग्ध वर्तमान काल
4. संभाव्य भविष्यत् काल
5. पूर्ण भूतकाल

(ग) निर्देशानुसार दी गई क्रियाओं के उचित काल का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

(घ) दिए गए वाक्यों की क्रियाओं को निर्देशानुसार बदलिए।

1. शायह वह मेरे घर आए।
2. यदि तुम जाग रहे होते तो।
3. वह मेरी प्रशंसा करेगा।।
4. वह फिल्म देखने गया होगा।
5. मैं यह पुस्तक पढ़ रहा हूँ।

कुछ करने की बारी

दिए गए चित्र पर आधारित भूतकाल में एक कहानी लिखिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

15. वाच्य

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. क्रिया का जो रूप यह बताए कि क्रिया में कर्ता, कर्म या भाव प्रधान है, वह वाच्य कहलाता है।
2. वाच्य के तीन भेद होते हैं– कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य। जैसे–
   1. बच्चे मैदान में खेल रहे हैं। (कर्तृवाच्य)
   2. बच्चों द्वारा मैदान में खेला जा रहा है। (कर्मवाच्य)
   3. बच्चों से खेला नहीं जाता। (भाववाच्य)
3. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाने के नियम–
   1. कर्ता के साथ 'से' या 'के द्वारा' लगाते हैं।
   2. क्रिया के रूप के साथ काल, पुरुष, वचन और लिंग के अनुसार 'जाना' का रूप जोड़ा जाता है।
   3. साधारण क्रिया को भी संयुक्त क्रिया में बदला जाता है।
   4. यदि कर्म के साथ विभक्ति लगी हो तो हटाते हैं।

(ख) दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त वाच्य का भेद लिखिए।

1. भाववाच्य
2. कर्तृवाच्य
3. कर्मवाच्य
4. कर्तृवाच्य
5. कर्मवाच्य
6. कर्तृवाच्य

(ग) दिए गए वाक्यों को कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में बदलिए।

1. पक्षियों से उड़ा जा रहा है।
2. उससे समझदारी से काम किया जाता है।
3. उमा द्वारा सुंदर चित्र बनाया जा रहा है।
4. उससे परीक्षा देने जाया जा रहा है।
5. कपिल के द्वारा पुस्तक पढ़ी जा रही है।
6. नेताजी के द्वारा भाषण दिया जा रहा है।

(घ) दिए गए वाक्यों को कर्तृवाच्य से भाववाच्य में बदलिए।

1. लता से गीत गाया जाता है।
2. घोड़े से घास खाई नहीं जाती।
3. उससे पेड़ पर चढ़ा नहीं जाता।
4. उससे हँसा नहीं जाता।
5. सुंगधा से देखा नहीं जाता।
6. उससे सोया नहीं जाता।
7. मनीष से चला नहीं जाता।

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए चित्रों को देखकर कर्मवाच्य के वाक्य बनाकर लिखिए।

1. लड़के से पतंग उड़ाई जा रही है।
2. पक्षियों से उड़ा जा रहा है।
3. बालक द्वारा गेंद से खेला जा रहा है।
4. माँ द्वारा खाना बनाया जा रहा है।

(ख) वाच्य के तीनों भेदों का वाच्य परिवर्तन करते हुए एक चार्ट बनाइए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

16. अविकारी शब्द (अव्यय)

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. अव्यय वे शब्द होते हैं जिनमें लिंग, वचन, पुरुष, काल आदि की दृष्टि से कोई परिवर्तन या विकार नहीं होता, अव्यय या अविकारी कहलाते हैं।
2. क्रियाविशेषण के चार भेद हैं– 1. कालवाचक क्रियाविशेषण – मैं प्रात: जल्दी उठता हूँ।

   2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण – माली इधर पेड़ लगा रहा है। 3. रीतिवाचक क्रियाविशेषण – वह धीरे-धीरे चलता है। 4. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण – मनोज बहुत अधिक खाता है।
3. संबंधबोधक अव्यय के निम्नलिखित भेद हैं–

   कालवाचक, स्थानवाचक, दिशावाचक, साधनवाचक, विरोधसूचक, समानतासूचक, संगतिसूचक और कारणसूचक।
4. समुच्चयबोधक के दो प्रकार हैं– समानाधिकरण समुच्चयबोधक, व्यधिकरण समुच्चयबोधक।
5. जो अव्यय शब्द वाक्य में किसी शब्द के बाद बल देने के लिए प्रयुक्त हों, उन्हें निपात कहते हैं। जैसे– मैं <u>भी</u> उसके साथ जाऊँगा।

(ख) रंगीन क्रियाविशेषण शब्दों का उचित भेद चुनिए।

1. तुमने सदैव मित्रों की सहायता की है। (क) कालवाचक क्रियाविशेषण ✓
2. राहुल अवश्य जाएगा। (क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण ✓
3. वह तेज़-तेज़ चल रहा था। (ग) रीतिवाचक क्रियाविशेषण ✓
4. वह उस दिन इधर-उधर टहल रहा था। (ख) स्थानवाचक क्रियाविशेषण ✓

(ग) दिए गए विशेषण तथा क्रियाविशेषण शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. कम	–	विशेषण	राजू को गणित में कम अंक मिले।
	–	क्रियाविशेषण	राजू कम भोजन खाता है।
2. खूब	–	विशेषण	वाह! क्या खूब काम किया।
	–	क्रियाविशेषण	तुम्हारे काम की खूब प्रशंसा हुई।
3. अच्छा	–	विशेषण	रवि अच्छा लड़का है।
		क्रियाविशेषण	रवि ने अच्छा काम किया।
4. साफ़	–	विशेषण	साफ़ कपड़े पहनने चाहिए।
		क्रियाविशेषण	रमा ने कपड़े साफ़ धोए।

(घ) उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. मेरे घर **के पास** सुंदर बगीचा है।
2. तुम्हारे **अतिरिक्त** और कौन हो सकता है?
3. राहुल **के पास** सविता खड़ी है।
4. बीमार होने **के कारण** कल्पना स्कूल नहीं आई।

5. भ्रष्टाचार **के विरुद्ध** सभी ने लड़ाई लड़ी।
6. हिंदी **के अलावा** उन्हें संस्कृत भी अच्छी आती है।

(ङ) वाक्यों में प्रयुक्त समुच्चयबोधक अव्यय रेखांकित कीजिए।

1. राहुल भीग गया था इसलिए उसे बुखार हो गया।
2. पत्रिका ले लो ताकि सफ़र में पढ़ सको।
3. गृहकार्य नहीं करोगे तो डाँट खानी पड़ेगी।
4. वह उपहार नहीं लाया क्योंकि वह गरीब है।
5. यदि रवि आया तो मैं भी चलूँगा।
6. वह कमज़ोर तो है लेकिन बुद्धिमान है।

(च) दिए गए वाक्यों में विस्मयादिबोधक शब्द किन मनोभावों को व्यक्त कर रहे हैं? पहचानकर लिखिए।

1. आश्चर्यबोधक	2. हर्षबोधक	3. घृणाबोधक
4. हर्षबोधक	5. हर्षबोधक	6. शोकबोधक

(छ) निम्नलिखित निपात अव्ययों से वाक्य बनाइए।

1. तो 2. भी 3. मात्र 4. भर 5. ही

विद्यार्थी वाक्य स्वयं बनाएँगे।

कुछ करने की बारी

आप अपने दोस्त के जन्मदिन पर पार्टी में गए। आपने वहाँ जो भी देखा या किया, उस पर आधारित 20 वाक्य लिखो। वाक्यों में आए क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक तथा निपात अव्ययों को रेखांकित कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

17. संधि

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. दो वर्णों के परस्पर मिलने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं।
2. संधि के तीन भेद हैं– स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।
3. दो स्वरों के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

   व्यंजन तथा स्वर के, स्वर तथा व्यंजन के या व्यंजन और व्यंजन के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

   विसर्ग के बाद स्वर अथवा व्यंजन आने पर जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।
4. स्वर संधि के पाँच प्रकार हैं– दीर्घ संधि, गुण संधि, वृद्धि संधि, यण संधि तथा अयादि संधि।

(ख) दिए गए शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए।

1.	अभ्युदय	अभि	+	उदय	2.	तल्लीन	तत्	+	लीन
3.	देवर्षि	देव	+	ऋषि	4.	जलौध	जल	+	ओध
5.	स्वागत	सु	+	आगत	6.	पवन	पौ	+	अन
7.	व्यूह	वि	+	ऊह	8.	अत्यधिक	अति	+	अधिक
9.	नवोढ़ा	नव	+	ऊढ़ा	10.	वाङ्मय	वाक्	+	मय
11.	पित्रुपदेश	पितृ	+	उपदेश	12.	इत्यादि	इति	+	आदि

(ग) दिए गए शब्दों की संधि कीजिए।

1.	वि	+	आप्त	=	व्याप्त	2.	मन:	+	हर	=	मनोहर
3.	वन	+	औषध	=	वनौषध	4.	सु	+	उक्ति	=	सूक्ति
5.	गण	+	ईश	=	गणेश	6.	तप:	+	वन	=	तपोवन
7.	नि	+	सेध	=	निषेध	8.	मातृ	+	आदेश	=	मात्रादेश
9.	मत	+	ऐक्य	=	मतैक्य	10.	भानु	+	उदय	=	भानूदय
11.	दिन	+	ईश	=	दिनेश	12.	उत्	+	ज्वल	=	उज्ज्वल

(घ) संधि-विच्छेद का उचित विकल्प चुनिए।

1. स्वेच्छा (ग) स्व + इच्छा ✓
2. कवीश्वर (घ) कवि + ईश्वर ✓
3. भानूदय (ख) भानु + उदय ✓
4. गिरीश (घ) गिरि + ईश ✓
5. इत्यादि (ग) इति + आदि ✓

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए निर्देशानुसार प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।

1. मतानुसार, वेदांत
2. सूर्योदय, प्रश्नोत्तर

3. एकैक, लोकैषणा	4. न्यून, व्यूह
5. महोदय, महोत्सव	6. कवींद्र, रवींद्र

(ख) नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक दो शब्दों की संधि हो सकती है। आप उचित मेल वाले दोनों शब्द छाँटिए और उनकी संधि कीजिए।

अंत आगत निः उत् पर कपि अयन छेद वि

चल आशय सु नति ईश महा राम अति उपकार

अति + अंत	=	अत्यंत	सु + आगत	=	स्वागत	निः + चल	=	निश्छल
उत् + नति	=	उन्नति	पर + उपकार	=	परोपकार	कपि + ईश	=	कपीश
राम + अयन	=	रामायण	वि + छेद	=	विच्छेद	महा + आशय	=	महाशय

18. समास

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को समास कहते हैं।
2. समास के छह भेद हैं– अव्ययीभाव समास, तत्पुरुष समास, कर्मधारय समास, द्विगु समास, द्वंद्व समास, बहुव्रीहि समास।
3. वह शब्द जिसकी तुलना की जाए, उसे उपमेय कहते हैं। जिससे तुलना की जाए, उसे उपमान कहते हैं। जैसे– चंद्रमुख – चंद्र के समान मुख। इसमें 'मुख' – उपमेय है और 'चंद्र' – उपमान।
4. जिन दो पदों में समास किया जाता है। उनमें पहला पद पूर्वपद कहलाता है और बाद वाले पद को उत्तर पद कहते हैं। समास हो जाने के बाद पूरा पद समस्त पद या सामासिक पद कहलाता है और सामासिक शब्दों के बीच के संबंधों को स्पष्ट करना समास-विग्रह कहलाता है।

(ख) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।

1. मुख्य रूप से समास के कितने भेद हैं? (क) छह ✓
2. किस समस्त पद में दूसरा पद प्रधान होता है? (ग) तत्पुरुष समास ✓
3. किस समास का पहला पद संख्यावाचक होता है? (ग) द्विगु समास ✓
4. जहाँ दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य तथा उपमान-उपमेय का संबंध होता है–
   (ख) कर्मधारय समास ✓
5. जिस समस्त पद में पहला पद प्रधान और अव्यय हो तथा समस्त पद अव्यय बन जाता है–
   (क) अव्ययीभाव समास ✓

(ग) दिए गए समस्त पद का समास-विग्रह करके समास-भेद भी लिखिए।

		समास-विग्रह	भेद
1.	रेखांकित	रेखा से अंकित	करण तत्पुरुष समास
2.	आरामकुर्सी	आराम के लिए कुर्सी	संप्रदान तत्पुरुष समास
3.	नेत्रहीन	नेत्र से हीन	अपादान तत्पुरुष समास
4.	शरणागत	शरण में आगत	अधिकरण तत्पुरुष समास
5.	महापुरुष	महान है जो पुरुष	कर्मधारय समास
6.	गृहप्रवेश	गृह में प्रवेश	अधिकरण तत्पुरुष समास
7.	देहलता	देह रूपी लता	कर्मधारय समास
8.	दिनों दिन	दिन ही दिन में	अव्ययीभाव समास
9.	गिरिधर	गिरि को धारण करने वाला (श्रीकृष्ण)	बहुव्रीहि समास
10.	अमीर-गरीब	अमीर और गरीब	द्वंद्व समास
11.	चक्रधर	चक्र को धारण करने वाला (विष्णु)	बहुव्रीहि समास
12.	बेमतलब	मतलब के बिना	अव्ययीभाव समास

(घ) दिए गए विग्रह के लिए समस्त पद लिखकर उसका भेद भी लिखिए।

	समस्त पद	भेद
1. हर दिन	प्रतिदिन	अव्ययीभाव समास
2. घोड़े पर सवार	घुड़सवार	तत्पुरुष समास
3. नौ रत्नों का समाहार	नवरत्न	द्विगु समास
4. पृथ्वी और आकाश	पृथ्वी-आकाश	द्वंद्व समास
5. विष को धारण करने वाला	विषधर	बहुव्रीहि समास
6. शरण को आगत	शरणागत	तत्पुरुष समास
7. पानी से चलने वाली चक्की	पनचक्की	तत्पुरुष समास
8. तीन रंगों का समूह	तिरंगा	द्विगु समास
9. दाल और रोटी	दाल-रोटी	द्वंद्व समास
10. बुरी है जो आत्मा	दुरात्मा	कर्मधारय समास

कुछ करने की बारी

दिए गए समास-विग्रह के समस्त पद वर्ग-पहेली में ढूँढ़िए।

1. मुरली को धारण किया है जिसने
2. पेट भरकर
3. घन के समान श्याम
4. बिना शक के
5. रसोई के लिए घर
6. जन्म भर
7. वचन रूपी अमृत
8. लंबा है उदर जिसका
9. पाँच मुखों का समाहार
10. कमल के समान कर

9 पं	च	1 मु	खी	4 बे	श	10 क
7 व	6 आ	5 र	सो	ई	3 घ	र
च	ज	ली	अ	ह	न	क
ना	न्म	ध	न	ल	श्या	म
मृ	2 भ	र	पे	ट	म	ल
त	8 लं	बो	द	र	ण	ट

19. वाक्य

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. भावों एवं विचारों को पूरा-पूरा प्रकट करने वाले सार्थक शब्द समूह के व्यवस्थित मेल को वाक्य कहते हैं।
2. वाक्य के दो अंग होते हैं– उद्देश्य – वाक्य का वह भाग जिसमें कर्ता के विषय में कहा जाता है, उद्देश्य कहलाता है। जैसे– मालती रस्सी कूद रही है।

   इस वाक्य में मालती के विषय में कहा गया है। ये शब्द कर्ता है इसलिए उद्देश्य है।

   विधेय – वाक्य का वह भाग जिसमें कर्ता के विषय में कुछ कहा गया हो, विधेय कहलाता है। रस्सी कूद रही है। ये वाक्यांश विधेय है। यहाँ मालती के विषय में कुछ कहा जा रहा है।
3. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद हैं– विधानवाचक, निषेधवाचक या नकारात्मक वाक्य, प्रश्नवाचक, संकेतवाचक, इच्छावाचक, संदेहवाचक, आज्ञावाचक, विस्मयादिवाचक।
4. रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं– साधारण या सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य तथा मिश्रित वाक्य।

(ख) दिए गए वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटिए।

	उद्देश्य	**विधेय**
1. आज खाना अच्छा बना है।	आज खाना	अच्छा बना है।
2. प्रेमचंद महान कथाकार थे।	प्रेमचंद	महान कथाकार थे।
3. एवरेस्ट संसार का सबसे ऊँचा शिखर है।	एवरेस्ट	संसार का सबसे ऊँचा शिखर है।
4. कल हमने ताजमहल देखा।	कल हमने	ताजमहल देखा।
5. वह विश्वास के योग्य नहीं है।	वह	विश्वास के योग्य नहीं है।

(ग) दिए गए वाक्यों के अर्थ के आधार पर उचित भेद चुनिए।

1. सैनिक देश की सेवा करते हैं। (क) विधानवाचक ✓
2. क्या तुम कल मेरे यहाँ आओगे? (ख) प्रश्नवाचक ✓
3. तुम यहाँ से जा सकते हो। (ग) आज्ञावाचक ✓
4. तुम्हारे लिए यह नववर्ष मंगलमय हो। (ग) इच्छावाचक ✓
5. अगर सविता आ जाएगी तो मैं चली जाऊँगी। (घ) संकेतवाचक ✓

(घ) रचना के आधार पर दिए गए निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

1. सुधीर के कहने से मैं मान गया।
2. जहाँ बस रुकती है, तुम वहाँ चले जाओ।
3. शेर दिखाई दिया और सब लोग डर गए।
4. गोपीनाथ ने खाना खाया और सो गया।
5. मैंने एक बहुत स्वस्थ बच्चे को देखा।
6. जो झूठ बोलते हैं, मैं उन्हें पसंद नहीं करता।

(ङ) अर्थ के आधार पर दिए गए निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

1. अब तुम खाना खा सकती हो।
2. मैं प्रतिदिन व्यायाम नहीं करता हूँ।
3. क्या वह जा रहा है?
4. शायद आज लगातार वर्षा होती रहे।
5. मुझे सुख प्राप्त करने की चाह है।
6. तुम प्रतिदिन विद्यालय जाते हो।

(च) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

1. कौआ डाली पर बैठा है।
2. वह रात को खूब सोया।
3. माँ खाना बनाती हैं।
4. दिवेश पतंग उड़ाता है।
5. वह दर्शन करने आया था।
6. मौसम बहुत सुहावना है।
7. महिलाएँ विलाप करने लगीं।
8. वह गत रविवार तुम्हारे घर गया था।
9. माया चावल चुन रही है।
10. वह पक्का रामभक्त है।
11. उसने गन्ने का ताजा रस पिया।
12. वह सीढ़ियों से गिर पड़ा।
13. इन क्यारियों में सुंदर फूल लगे हैं।
14. मैं, तुम और वह खाना खाएँगे।

कुछ करने की बारी

दिए गए चित्रों पर आधारित कहानी लिखिए और वाक्यों को रेखांकित करके भेद भी बताइए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

20. विराम-चिह्न

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. अपनी बात स्पष्ट करने के लिए वक्ता का स्थान-स्थान पर रुकना, विराम कहलाता है तथा लिखते समय रुकने के स्थान पर जो विशेष चिह्न लगाए जाते हैं, वे विराम-चिह्न कहलाते हैं।
2. पूर्णविराम, अर्धविराम, अल्पविराम, प्रश्न चिह्न, विस्मयादिबोधक, निर्देशक चिह्न, योजक चिह्न, लाघव चिह्न, उद्धरण चिह्न, कोष्ठक चिह्न, त्रुटिपूरक चिह्न तथा विवरण चिह्न।
3. अर्धविराम में पूर्ण विराम से थोड़ा कम रुकना होता है। जैसे– माया मेहनत करो; परीक्षा नज़दीक हैं। जबकि अल्पविराम में वाक्य को बोलते समय अर्धविराम से कम समय रुकना होता है। अल्पविराम का प्रयोग दो या दो से अधिक शब्दों को अलग करने के लिए किया जाता है। जैसे– केला, आम, सेब और अंगूर ले आओ।

(ख) दिए गए नामों के सामने उचित विराम-चिह्न लगाइए।

1. त्रुटिपूरक चिह्न	‸	2. उद्धरण चिह्न	‘ ’, “ ”
3. योजक चिह्न	-	4. लाघव चिह्न	°
5. अर्धविराम चिह्न	;	6. विस्मयादिबोधक चिह्न	!

(ग) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए।

1. वाक्य के बीच में थोड़ी देर रुकने के लिए– (ग) अर्धविराम ✓
2. विवरण को सांकेतिक करने तथा संवादों के पहले– (ग) निर्देशक चिह्न ✓
3. वाक्य में छूटे शब्दों को दिखाने के लिए– (ख) त्रुटिपूरक चिह्न ✓
4. विभिन्न तरह के भावों को अभिव्यक्त करने वाले शब्दों एवं वाक्यों के बाद– (ग) विस्मयादिबोधक ✓
5. किसी दूसरे की उक्ति को उद्धृत करने के लिए– (घ) उद्धरण चिह्न ✓

(घ) दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए।

1. हाथी ने पूछा, “अरे! तुम दोनों क्यों भागे जा रहे हो?”
2. खरगोश, सियार और हाथी भागते जा रहे थे।
3. ऐसा सोचकर वह खुशी-खुशी लौट गया।
4. डरो मत, किसान का भाई अपनी फ़सल काटेगा; वह भला यहाँ क्यों आएगा!
5. कमला, विमला, स्नेहा, पारुल और गीता मंदिर गई हैं।
6. अरे! कपिल वहाँ से कब आए?

कुछ करने की बारी

भिन्न-भिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हुए किसी घटना का संक्षिप्त वर्णन कीजिए और विराम-चिह्नों को रेखांकित कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

21. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. ऐसे वाक्यांश या वाक्य जो सामान्य से भिन्न किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराता है और सामान्य अर्थ से भिन्न किसी और अर्थ में रूढ़ होता है, वह मुहावरा कहलाता है।
2. मुहावरों की विशेषताएँ– 1. मुहावरों का प्रयोग स्वतंत्र रूप से नहीं किया जा सकता। 2. मुहावरों का शाब्दिक नहीं लाक्षणिक अर्थ प्रयुक्त होता है। 3. मुहावरों में मूल रूप से कोई परिवर्तन नहीं होता। 4. मुहावरों में प्रयुक्त शब्दों को समानार्थी शब्दों में नहीं बदला जा सकता।
3. लोक में प्रचलित उक्ति ही लोकोक्ति कहलाती है। किसी समाज ने लंबे अनुभव से जो कुछ सीखा उसे एक वाक्य में बाँध दिया गया। उसे ही लोकोक्ति का नाम दिया गया।
4. अपने कथन की पुष्टि, संक्षिप्तता, भावमयता और उपदेश देने के लिए वाक्यों में लोकोक्तियों का प्रयोग किया जाता है। लोकोक्ति पूर्ण वाक्य का उपवाक्य होती है। इनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। वाक्यों में इनका प्रयोग ज्यों का त्यों होता है। किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं होता। इनका कभी सामान्य अर्थ और कभी सांकेतिक अर्थ ग्रहण किया जाता है।

(ख) दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1.	चिकना घड़ा होना	बेअसर होना
2.	फूट-फूटकर रोना	बहुत रोना
3.	अपनी खिचड़ी अलग पकाना	सबसे अलग रहना
4.	दाँतों तले उँगली दबाना	आश्चर्य करना
5.	अँधेरे घर का उजाला	होनहार पुत्र जिससे आशाएँ हों
6.	डूबते को तिनके का सहारा	संकट में थोड़ी सहायता भी बहुत

विद्यार्थी वाक्य स्वयं बनाएँगे।

(ग) रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों से कीजिए।

1. **अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनने** से क्या फ़ायदा जब तक दूसरा तुम्हारी प्रशंसा न करे।
2. पुलिस को आया देख चोर **दुम दबाकर भाग गया**।
3. लगता है दिव्या के **पेट में चूहे कूद** रहे हैं। उसे कुछ खाने को दे दो।
4. बेटी की शादी करने के बाद माता-पिता **घोड़े बेचकर** सो जाते हैं।

(घ) नीचे दी गई लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

वाक्य विद्यार्थी स्वयं बनाएँगे।

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए मुहावरों का प्रयोग करते हुए एक छोटी-सी कहानी लिखिए।

ईद का चाँद होना, आकाश-पाताल एक करना, अपना उल्लू सीधा करना, अँगूठा दिखाना, अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना, नौ-दो ग्यारह हो जाना, हिम्मत न हारना, मुँह में पानी आना।

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

(ख) दिए गए चित्रों को पहचानकर उचित लोकोक्ति लिखिए।

जिसकी लाठी उसकी भैंस। खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे।

खोदा पहाड़ निकली चुहिया। हवाई किले बनाना।

30. अपठित बोध

अभ्यास

(क) दिए गए गद्यांशों को पढ़कर उनके साथ दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 1. ननमुन को लगा कि वह पतले सँकरे रास्ते से गुज़र रहा है। उसे ऐसा इसलिए लगा क्योंकि एकाएक चारों ओर अंधकार छा गया था।

2. ननमुन धरती के नीचे जा रहा था।

3. ननमुन को वहाँ एक रंग-बिरंगी रोशनी दिखाई दी।

4. रवि, सूर्य।

5. इस गद्यांश का शीर्षक है – अनोखे फूल।

2. 1. भीष्म ने युधिष्ठिर को राज्य के प्रति उनके कर्तव्यों से अवगत कराया।

2. युधिष्ठिर को राजा, भीम को राजकीय कार्यभार और अर्जुन को सेना का संचालक नियुक्त किया गया।

3. दावानल में धृतराष्ट्र, गांधारी और कुंती की मृत्यु हुई।

4. भीष्म और युधिष्ठिर।

5. इस गद्यांश का शीर्षक है – धर्म-कर्म।

3. 1. दमड़ीदास ने साँप को मारने का निश्चय किया।

2. आधी रात को साँप कटोरे के पास आकर प्रतिदिन की भाँति दूध पीने लगा।

3. दमड़ीदास का अंत आहत और क्रुद्ध सर्प के काटने से हुआ।

4. साँप-साँपिन।

5. उचित शीर्षक – दमड़ीदास की लाठी।

4. 1. वन में घूमते हुए दुष्यंत ने क्या देखा? (क) बड़ा विचित्र दृश्य ✓

2. बालक क्या कर रहा था? (ग) शेर के शावकों से खेल रहा था। ✓

3. बालक ने शेरों से न डरने का क्या कारण बताया? (घ) वह कायर नहीं है। ✓

4. 'उज्ज्वल' शब्द का सही वर्ण-विच्छेद चुनिए– (क) उ + ज् + ज् + व् + अ + ल् + अ ✓

5. इस गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए– (ख) वीर बालक ✓

5. 1. सड़क पर कौन जा रहे थे? (ग) जमशेद जी ✓

2. बोरे का धक्का लगने से क्या हुआ? (क) जमशेद जी गिर पड़े। ✓

3. अपने गिरने पर भी जमशेद जी को गुस्सा क्यों नहीं आया?

(क) बोझ से दबा मज़दूर बेकसूर लगा। ✓

4. 'उन्होंने पाँच का नोट मज़दूर को दे दिया'– रंगीन विशेषण शब्द का भेद बताइए।

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण ✓

5. इस गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए– (क) महान जमशेद जी ✓

(ख) दिए गए पद्यांशों को पढ़कर उनके साथ दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 1. कवि नया मार्ग अपनाने का आग्रह कर रहे हैं।

2. लीक पर चलने वालों को नया रास्ता बतलाना होगा।

3. कवि को इस बात का दुख है कि दुनिया बहुत आगे बढ़ गई है और हम अभी भी पुराने आदर्शों पर चल रहे हैं।

4. हमें अपनी कल्पना, विचारधारा और कामना में परिवर्तन लाने के लिए कवि कह रहे हैं।

5. नया मार्ग।

2. 1. काँटा किसी की अँगुली को, तितलियों के पर को और भौंरे के शरीर को भेद देता है।

2. फूल तितलियों को अपने ऊपर बिठाता है, भौंरों को अपना रस पीने देता है तथा अपनी भीनी सुंगध और खूबसूरती से सबको प्रसन्न करता है।

3. काँटा सबकी आँखों में खटकता है क्योंकि वह हाथ में चुभ जाता है जिससे सबको कष्ट पहुँचता है।

4. इस पद्यांश के माध्यम से कवि यह संदेश देते हैं कि हमें काँटे की तरह दूसरों को क्षति पहुँचाने के बजाए फूल की तरह अपनी कोमलता से सबको सुख पहुँचाना चाहिए।

5. उचित शीर्षक – फूल और काँटे।

3. 1. बच्चा खिलौना लेने के लिए मचल गया।

2. माँ इसलिए व्यथित हो उठी क्योंकि बच्चा वही खिलौना माँग रहा था जिससे राजकुमार खेल रहा था।

3. माँ ने बच्चे को समझाया कि वह मिट्टी के खिलौने से ही खेले क्योंकि ऐसा खिलौना तो राजा के घर में भी नहीं है।

4. राजा और पुत्र।

5. शीर्षक –मिट्टी का खिलौना।

4. 1. बच्चों के अरमान क्या-क्या हैं? (घ) कुछ करके दिखलाना चाहते हैं। ✓

2. मरने वालों की दुनिया में बच्चे क्या करना चाहते हैं?
(ग) अमर लोगों में नाम लिखवाना चाहते हैं। ✓

3. बच्चे कैसे लोगों की सहायता करना चाहते हैं? (क) गरीब भिखारी लोगों की ✓

4. 'अँधेरे' का विलोम शब्द चुनिए– (ख) उजाले ✓

5. इस पद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए– (क) हम कुछ करके दिखलाएँगे ✓

5. 1. पांडवों ने कौरवों से समझौता करने के लिए किस-किस चीज़ का सहारा लिया?
(घ) दिए गए सभी विकल्प ✓

2. दुश्मन के सामने विनम्रता दिखाने से क्या हुआ? (क) दुश्मन ने कायर समझा। ✓

3. कैसे सर्प को क्षमा शोभती है? (ख) जिसके पास विष और दाँत हो। ✓

4. यह पद्यांश तुम्हें क्या शिक्षा देता है? (क) युद्ध से पीछे हटना कायरता है। ✓

5. इस पद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए– (ख) शक्ति और क्षमा ✓